ABHI ABHI
हिमाचल अभी अभी
नई सोच नई खोज
साप्ताहिक
/himachal.abhiabhi @himachal_abhi
RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 6 अंक 47 धर्मशाला। शनिवार, 17 जुलाई-23 जुलाई, 2021 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 02 श्रावण, विक्रमी संवत् 2078 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/15-17

कुर्बानी का यह पर्व...
-पढ़ें पेज 2 पर

भड़ली नवमी

भड़ली नवमी को भड़ाल्या नवमी या कंदर्प नवमी भी कहा जाता है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भड़ली नवमी होती है। इस वर्ष भड़ली नवमी 18 जुलाई दिन रविवार को है। भड़ली नवमी के दिन भगवान विष्णु की आराधना की जाती है। भड़ली नवमी का दिन विवाह के लिए शुभ मुहूर्त वाला होता है। जुलाई माह में यह विवाह के लिए अंतिम शुभ मुहूर्त है, क्योंकि इसके बाद से देवशयनी एकादशी प्रारंभ हो रहा है, जिसकी वजह से 4 माह के लिए विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश आदि जैसे मांगलिक कार्य बंद हो जाएंगे।

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का प्रारंभ 18 जुलाई को तड़के 02 बजकर 41 मिनट से हो रहा है। इसका समापन उसी दिन देर रात 12 बजकर 28 मिनट पर होगा। भड़ली नवमी को पूरे दिन रवि योग बना हुआ है, वहीं साध्य योग देर रात 01 बजकर 57 मिनट तक है। साध्य योग्य को अधिकांश शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है, इसलिए यह शुभ मुहूर्त माना जाता है।

भड़ली नवमी के दिन अबूझ मुहूर्त होता है। भड़ली नवमी को अक्षय तृतीया के जैसा ही महत्व प्राप्त है। यदि आपको विवाह का कोई मुहूर्त नहीं मिल रहा है, तो यह दिन शादी के लिए उत्तम है। इस दिन आप किसी भी समय में विवाह कर सकते हैं। पूरे दिन शुभ मुहूर्त होता है। इस दिन आप बिना मुहूर्त देखें गृह प्रवेश, वाहन की खरीदारी, दुकान या नए बिजनेस का शुभारंभ कर सकते हैं।